ऑडियो विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नः-
ट्रैक नः- ZOOM00 32
ट्रैक समयावधिः- 01 : 11 : 24
कलाकार का नामः- सुभान खाँ S/O सुभान खाँ
पताः- बड़नावा चारणान् तेह- पचपदरा जिला - बाड़मेर

सहायक कलाकारः-
विडियो रिकोर्डिंग समयः-
विषयः- कथा (सिकन्दर बादशाह)
विशेष विवरणः-
दिनांकः- 09/06/2021
स्थानः- बड़नावा चारणान
गायन/ वाद्यन

वर्णन:- यह कथा सिकन्दर बादशाह नाम से प्रचलित है। कथा शुरुआत में सिकन्दर अभी लड़कपन की अवस्था में है तो वह अपनी मर्जी का मालीक है जो चाहता वही करता है एक दिन वह अपनी माँ से सौ रुपय लेकर बाजार में जाता तो देखता है कि एक व्यक्ति पिंजरे में चूहा लेकर जा रहा है तो सिकन्दर उससे वह चूहा खरीद लेता है और अपने घर ले आता है। दूसरे दिन जाता है एक तोता खरीदक ले आता है तथा तीसरे दिन जाते है तो बिल्ली खरीदकर लेकर आ जाता है। चौथे दिन फिर से जाता है तो एक सांप खरीदर ले आ जाता है तो वह घर लाकर उसे दूध पिलाता है तथा उसकी माँ सिकन्दर से उस सांप को जंगल में छोडने के लिए कहती है। सिकन्दर एक दिन एक फूलों का गमल भी खरीद लाता है। वह एक दिन अपनी माँ के कहने पर साँप को जगल मे छोड़ने जाता है वह जंगल में जाकर उसे छोडता है तो तो वह एक व्यक्ति के रूप आ जाता है और वह कहता है कि आपने मुझे बचाया और दूध पिलाया। है आपका मेरे ऊपर एहसान है और मुझे यह एहसान चुकाना है तथा वह सिकन्दर अपने साथ ~~~~ परलोक में ले जाता है वहां सांप सिकन्दर को आपने पिता से अगूँठी मागने के लिए कहता है सिकन्दर अंगूठी मांगता है तो वह अंगूठी दे देता है और वह अगूंठी बहुत करामाती है। सिकन्दर अपनी अगूंठी को रगड़ता है तो वह वापिस अपने घर जाता है। कुछ अपने जानवर दोस्तों के साथ रहता है और फिर घर से निकल जाता है और अपनी माँ से उन जानवरों की देखभाल के लिए कहता और कहता है कि जब तक ये पौधा हराभरा रहेगा तब तक मे महफूज तथा जब ये पौधा मुरझा जाए तो समझ लेना मे मुशीबत में हूँ। यह कहकर निकल जाता है एक शहर में जाता है तो वह लोगों भीड़ लगी हुई है तो सिकन्दर पूछता है तो लोग उसे बताते कि यहा बादशाह ने शर्त रखी है कि जो व्यक्ति समुद्र के बीच में महल बनाए और उसकी लड़की बाल आधे सोने के और आधे चाँदी के कर दे तो ही राजकुमारी की उससे शादी करवाएंगे। सिकन्दर अपनी अगूँठी की शक्ति से समुद्र के बीच महल बना देता है

तथा उसकी राजकुमारी के बाल भी सोने और चाँदी के कर देता है। और राजकुमारी से विवाह करके उसी महल में रहने लगे। एक दिन राजकुमारी का बाल टूट कर पानी के साथ चला जाता है। वह बाल एक राजकुमार के हाथ में आ जाता है। तथा वह अपने घर जाकर अपने पिता राजा से कहता है कि पिताजी मैं शादी करूँगा तो इसी लड़की से नहीं तो मैं मर जाऊँगा तो राजा सभी मरियम दूतीयों को बुलाता है तथा उसमें से एक दूती सिर्फ एक दिन में उस राजकुमारी को ढूँढ निकालने का वादा करती है। और वह ढूँढने निकल जाती है और उसी समुद्र के पास जाकर चिल्लाने लगती है। उसकी चिल्लाने की आवाज सुनकर राजकुमारी बाहर आती तो वह उसे कहती है कि मैं तुम्हारी मासी हूँ ऐसा करके उसके साथ महल के अन्दर चली जाती है। और वह देख लेती है ये सब इस अंगूठी से होता है तो वह एक दिन राजकुमारी फुसलाकर बाहर लाती है और उसकी अंगूठी वह ले लेती है तथा उसके आदमी उसे उठाकर ले जाते हैं तथा सिकन्दर पानी के अन्दर ही रह जाता है। राजकुमारी को उस राजकुमार के सामने पेश किया जाता है तो राजकुमारी उससे कहती है कि मैं छः महीने तक आपसे शादी नहीं करूगी। अब सिकन्दर की माँ पौधे को मुरझाया हुआ देखती है तो समझ जाती है कि उसका लड़का विपत में है। और वह उन जानवरों को सिकन्दर की मदद के लिए भेजती है। वे चूहा, बिल्ली, और तोता वहा से निकल जाते है और वे उसी समुद्र के पास जाते तो पानी में उन्हे महल दिखाई देता है। तोता उड़कर उस महल में देखता है तो सिकन्दर बेहोस पड़ा है। वह बिल्ली और चूहे से भी कहता है और अपनी चोंच से कुछ पानी की बून्दे उसे पिलाता है तो वह होस में आता और सारी बात बताता है तथा वे तनो मुरादाबाद चले जाते है तोता राजकुमारी के पास जाकर पूछता है तो वह उसे मरीयम दूती से अँगूठी लाने के लिए कहती है तो चुआ और बिल्ली रात में उसके घर जाते है और अँगूठी

लेकर आ जाते है। तोता अंगूठी को सिकन्दर के पास ले जा रहा होता है तो उसे नींद आ जाती है और अंगूठी समुद्र में गिर जाती है बिल्ली और चुहा जैसे तैसे करके मछलीयो से अंगूठी को बिकाला देते है और तोता अगूठी को सिकन्दर को ले जाकर देता है। अंगूठी वापिस सिकन्दर के पास आती है वह उसकी शादी से राजकुमारी भी अपने पास ले आता है और वे सभी को सिकन्दर अपने घर ले आता है उसकी मा उसका स्वागत करती है और उन जानवरों को शाबास देती है क्योंकि वे अपना एहसान चुका देते है और वे सभी फिर वही राज पाट करते है।